कायनात के छुपे हुवे राज़

हजरत मुफ्ती अहमद खानपुरी दब.

बिस्मिल्लाहीर रहमान्नीर रहीम

अलहमदु लील्लाही रब्बील आलामीन

तरजुमा तमाम तारीफे अल्लाह के लिये हे जो तमाम जहानो का पालने वाला हे, हम्द इसमे जीनसे हे, यानी तमाम तारीफे इस दुनीया मे अल्लाह ने मुखतलीफ किस्मे और जीनसे पेदा फरमाइ हे, जेसे इन्सान, जीन्नात, जानवरो की मुख्तलिफ किस्मे, चरीन्दे, परिन्दे, हर एक का एक जहां हे, एक इन्सानो का जहां हे, एक जीन्नातों का जहां हे, हर मखलुक का एक अलग आलम हे, पूरी दुनीया बहोत से आल्मो का मजमुआ हे, इस मतलब के एतेबार से आलमो का पालने वाला अल्लाह हे.

बाझ हझरात केहते हे, जो दुनीया हमे नझर आ रही हे, इस्के अलावा भी अल्लाह ने बहुत से जहां पेदा किये हे, जो हमे नझर नही आ रहे हे, लेकिन आज कल के साइन्सदानो की खोज ये हे के हमारी दुनीया के जो चांद, सुरज हे ये हमारी आकाशगंगा (Galaxy) हे, इस दुनीया के अलावा बहुत सारी आकाशगंगाये (Galaxies) हे.

जीस झमीन पर हम रेहते हे वो एक आम आदमी

के माप के मुकाबले मे बीस अरबो-खरबो गुना बडी हे, जब के सुरज झमीन से दस लाख गुना बडा हे, इस्के मुकाबले मे एटा कैरिने नाम का मशहुर सितारा सुरज से भी पचास लाख गुना बडा हे, इस्के बाद बेटेल्गेयूज नाम के सितारा सुरज से तीस करोड गुना बडा हे, और वी वाइ कैनिस मेजोरिस नाम का सितारे सुरज से एक अरब यानी १०० करोड गुना बडा हे.

क्या आप को मालुम हे?

जीस आकाशगंगा मे हम रेहते हे उस का नाम मिल्की वे हे, हमारे सुरज और चांद को सुर्यमंडल केहते हे, इसी को आकाशगंगा कहा जाता हे, और हमारी सिर्फ एक आकाशगंगा मे सुरज तीन सो अरब से ज्यादा सुरज मोजुद हे, और ये आकाशगंगा इतनी बडी हे के अगर हम किसी एसी चीझ मे सवार हो, जो एक सेकंड मे तीन लाख किलो मीटर की दुरी पूरी करले, यानी एक सेकंड मे झमीन के सात चक्कर लगाने वाली हो, उसको भी हमारी आकाशगंगा को पार करते करते एक लाख साल लग जायेंगे, अंदाझा हुवा नां हमारी आकाशगंगा कितनी बडी हे.

लेकिन नही आवो हम आप को अपनी पडोसि आकाशगंगा मे लिये चलते हे, उसका नाम

एंड्रोमेडा हे वो हमारी आकाशगंगा से डबल हे, यानी दो लाख साल लग जायेंगे, लेकिन ये भी छोटी हे, मेसियर ८१ नाम की आकाशगंगा से साठ ६० गुना बडी हे, जब के आइसी ११०१ हमारी आकाशगंगा से ६०० गुना बडी हे अब समझ मे आ रहा हे अल्लाहु अकबर का मतलब?

आवो अभी ये सिलसिला यही खतम नही हुवा, जैसे सितारो से आकाशगंगा ए बनती हे इसी तरह आकाशगंगा ओ से क्लस्टर (जमा होना) बनते हे, और जीस क्लस्टर मे हमारी आकाशगंगा हे उसका नाम विरको क्लस्टर हे, और सिर्फ एक क्लस्टर मे ४७००० आकाशगंगा ए हे, और मामला यही खतम नही हुवा, क्लस्टर भी आपस मे मिल कर सुपर क्लस्टर बनाते हे, और जीस सुपर क्लस्टर मे हम रेहते हे उसका नाम लोकल सुपर क्लस्टर हे, और इस सुपर क्लस्टर मे १०० के करीब क्लस्टर हे, और इस सुपर क्लस्टर जेसे तकरीबन एक करोड सुपर क्लस्टर हमारी कायनात मे मोजुद हे, जो एक बडे से जुन्ड मे मामुली नुकतों जेसे नझर आते हे, और उन सब को एक जात यानी अल्लाह ने बनाया हे.

अब झमीन की हेसियत तो इन सब के मुकाबले

मे एक नुकते से भी कम समझी जाती हे, इसी से अल्लाह के फरमान रब्बील आलमीन का अंदाझा होता हे, हमने तो कूछ देखा ही नही हमारी जानकारी के एतेबार से देखा जाये तो कुवे के मेढक का लफ्झ भी कम पडता हे, आज के साइन्सदान जब इन सब चीझो की डीटेल बताते हे तो हमारी अकल कबुल करने को तय्यार नही होती, समझ मे नही आता के इतनी बडी कायनात.

अल्लाह इस पूरी कायनात को बनाने वाला भी हे और उसकी झरूरतो को पुरा करने वाला भी हे, और इनमे से हर एक को कमाल तक पोहचाने वाला भी हे, तरबियत किसी भी चीझ को आहिस्ता-आहिस्ता उसकी इन्तेहा तक पोहचाने को केहते हे, जेसे इन्सान, बच्चा पेदा हुवा, तो उसकी तरबियत का मतलब ये हे के बचपन से लेकर एक कामिल इन्सान बन्ने तक जीतनी भी मेहनत की जाती हे, उसको तरबियत केहते हे, तो अल्लाह सारे जहानो और उसमे जीतनी भी मखलुक हे सब का पालने वाला हे.

बा-हवाला: दरसे कुर्आन-४४ सुरे फातिहा.